

(This Question Paper contains 2 printed pages)

Your Roll No.

आपका अनुक्रमांक

S. No of Question Paper

प्रश्न पत्र का क्रमांक

Unique Paper Code : 12327905

यूनिक पेपर कोड : 12327905

Name of the Course : B.A. (Hons) Political Science (DSE)

पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए. ऑनर्स

Title of Paper : Colonialism and Nationalism in India

Semester/Annual : V

सेमेस्टर/वार्षिक : V

Time: 3 Hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks: 75

पूर्णांक : 75

Note: Answers may be written either in English or Hindi but the same medium should be followed throughout the paper.

इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **Any Four** questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Critically examine the Marxist and Subaltern approaches to the study of nationalism in India.

भारत में राष्ट्र के अध्ययन के लिए मार्क्सवादी और निम्नवर्गीय / उपाश्रित उपागमों का आलोचात्मक परीक्षण कीजिए।

2. Discuss the major constitutional developments during the twentieth century colonial rule.

20वीं सदी और औपनिवेशिक शासन के दौरान प्रमुख संवैधानिक विकासों की विवेचना कीजिए।

3. Describe the role of social and religious reform movements with respect to women's question.

महिलाओं के प्रश्न के संबंध में सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलनों की भूमिका का वर्णन कीजिए।

4. Critically examine the significance of the Quit India movement in India's freedom struggle. How was the movement different from the Non-cooperation movement and the Civil Disobedience Movement?

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भारत छोड़ो आंदोलन के महत्व का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। यह आंदोलन असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन से किस प्रकार भिन्न था?

5. What were the factors responsible for the formation of Muslim League? Discuss.

मुस्लिम लीग के गठन के लिए कौन से कारक उत्तरदायी थे? विवेचना कीजिए।

6. Examine the reasons for the growth of major peasants and tribal movements in colonial India, and explain the strategies they adopted.

औपनिवेशिक भारत में प्रमुख किसानों और आदिवासी आंदोलन के विकास के कारणों का परीक्षण करें और उनके द्वारा अपनाई गई रणनीतियों की व्याख्या कीजिए।